मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MJY–002

एम. ए. (ज्योतिष)

(एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.जे.वाई–002 : सिद्धान्त ज्योतिष एवं काल

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न–पत्र कुल दो खण्डों में विभक्त है।*

(ii) दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

(iii) खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए।* 3×20=60

1. सिद्धान्त स्कन्ध के स्वरूप एवं महत्व का विस्तारपूर्वक सप्रमाण वर्णन कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

2. भूगोल पर द्वीपों, समुद्रों एवं पुरों तथा सप्तकुलपर्वतों की स्थिति का सप्रमाण निरूपण कीजिए।

3. भूव्यास एवं स्पष्ट भूपरिधिमान की व्याख्या कीजिए।

4. ग्रहलाघवीय अहर्गणसाधन की विधि का सप्रमाण वर्णन कीजिए।

5. मन्दफल एवं शीघ्रफल के साधन का स्वरूप प्रस्तुत कीजिए।

6. मूर्त्तकाल एवं अमूर्त्तकाल का सप्रमाण विस्तृत विवेचन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* 4×10=40

7. अहोरात्रवृत्त–नतोन्नतघटी–कुज्या–चरज्या को परिभाषित करते हुए इनके स्वरूप को प्रदर्शित कीजिए।

8. भूगोल सम्बन्धित बौद्ध एवं जैन मत का सप्रमाण खण्डन प्रस्तुत कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

9. सूर्यादिग्रहों की मध्यमगति सम्बन्धी ग्रहलाघवोक्त श्लोक का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

10. इष्ट क्रान्ति का साधन किस प्रकार करते हैं ? सप्रमाण निरूपण कीजिए।

11. भुजान्तर साधन की विधि का निरूपण कीजिए।

12. मन्वन्तर एवं कल्प काल का निरूपण कीजिए।

13. ग्रहकक्षा के स्वरूप एवं प्रमाण का परिचय दीजिए।

14. सावन और चान्द्र मानों को परिभाषित करते हुए उनके सम्बन्ध पर प्रकाश डालिए।

× × × × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com